सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 217 | इंदौर, शुक्रवार 20 फरवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

● मंदिर-मस्जिद को लेकर जबलपुर में बवाल!

जमकर हुई पत्थरबाजी, भारी पुलिस बल तैनात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के जबलपुर में गुरुवार रात बवाल हो गया। यहां के सिहोरा इलाके में उस वक्त हालात बेकाबू हो गए जब दुर्गा मंदिर में आरती के दौरान एक युवक ने मंदिर में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद शुरू हुए विवाद में दूसरे समुदाय से जुड़े कई लोग इकट्ठा हुए और उन्होंने मंदिर पर पथराव करना शुरू कर दिया। कुछ देर में हालात इस कदर बिगड़े कि दर्जनों की तादाद में उपद्रवी हाथों में लाठी डंडे और पत्थर लेकर सड़कों पर निकले और पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस पूरे विवाद के पीछे लाउडस्पीकर की तेज आवाज को वजह बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि मंदिर में आरती के दौरान बजाए जा रहे स्पीकर की आवाज पर मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोगों ने एतराज जताया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए। घटना सिहोरा के वार्ड नंबर- 5 आजाद चौक की है। इस इलाके में दुर्गा मंदिर के ठीक सामने ही मुस्लिम समुदाय की मदीना अहले सुन्नत के नाम से मस्जिद भी है। मंदिर और मस्जिद आमने-सामने होने के चलते यहां दोनों पक्षों में टकराव की संभावना हमेशा से ही बनी रहती है और रमजान माह के शुरू होने के साथ ही इलाके के हालात तनावपूर्ण हो गए। घटना की सूचना मिलते ही भारी तादाद में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई। जबलपुर रेंज के आईजी, डीआईजी, जिले के कलेक्टर, एसपी के साथ साथ पुलिस और प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और हालात को काबू में किया। फिलहाल पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा उपद्रवियों की पहचान कर ली है, जिनमें से 15 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। इसके अलावा उपद्रवियों की गाड़ियों को जब्त करने के साथ ही उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की तैयारी की जा रही है।

हिमाचल में एंट्री फीस ढाई गुना तक बढ़ी, शिमला पहुंचने के लिए देना होगा एक्स्ट्रा पैसा

शिमला, (एजेंसी) आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में सरकार ने राजस्व बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में प्रवेश करने वाले बाहरी राज्यों के वाहनों पर एंट्री फीस में भारी बढ़ोतरी का निर्णय लिया है. नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी. सरकार ने प्रदेश की नई बैरियर नीति जारी करते हुए एंट्री टैक्स में करीब ढाई गुना तक इजाफा किया है. इसका सीधा असर उन पर्यटकों और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा जो अपनी गाड़ियों या वाणिज्यिक वाहनों के साथ हिमाचल में प्रवेश करते हैं. हालांकि, हिमाचल पंजीकरण वाले वाहनों को पहले की तरह एंट्री टैक्स से छूट रहेगी.

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

म.प्र. और इन्वेस्टर्स मिलकर देश को बढ़ाएंगे आगे

● 24 घंटे बिजली देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में 300 मेगावाट 4 घंटे सौर-सह एनर्जी स्टोरेज परियोजना, 300 मेगावाट 6 घंटे सौर-सह एनर्जी परियोजना सहित 24x7 घंटे नवकरणीय ऊर्जा बैटरी आधारित एनर्जी स्टोरेज परियोजना पर काम कर रही है। यह एक नया प्रयोग है। यह भारत की अपनी तरह की पहली परियोजना है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते 12 सालों में मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा में 19 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। नवकरणीय ऊर्जा की बड़ी परियोजनाओं के जरिए हमने म.प्र. की जरूरतों को पूरा करने के बाद पड़ोसी राज्यों और भारतीय रेलवे को भी स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट है। ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हमने किसी भी नागरिक को विस्थापित नहीं होने दिया, इस प्रोजेक्ट में ऊर्जा उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

चाय ठंडी और बेडशीट भी गंदी मिली

रेसीडेंसी कोठी में गंदगी, राज्यपाल ने भोजन छोड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रेसीडेंसी कोठी में ठहरने के दौरान मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। निरीक्षण में गंदी बेडशीट, रसोई में गंदगी और ठंडी चाय मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और वहां भोजन नहीं किया। राज्यपाल मंगलवार को दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए इंदौर आए थे।

मंगलवार सुबह एडीसी नरेंद्र रावत और उनके साथ अधिकारी विपुल शाह ने रसोई का निरीक्षण किया। रसोई में कॉकरोच और कीड़े मिले। बर्तन गंदे थे और सड़े आलू व छिलके पड़े थे। अधिकारियों ने राज्यपाल को स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने कोठी में भोजन नहीं करने का निर्णय लिया और एयरपोर्ट पर भोजन करने की बात कही। राज्यपाल की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों को दाग और धब्बों वाली बेडशीट दी गई थी। अधिकारियों ने साफ बेडशीट मांगी, लेकिन कर्मचारियों ने

संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद पैंट्री और फ्रिज का निरीक्षण किया गया, जहां भी गंदगी और सड़ी सामग्री मिली। अधिकारियों ने किचन इंचार्ज राकेश सिंह और अमित शर्मा को फटकार लगाई। आवश्यक सामग्री और बर्तनों की सूची मांगी गई। दोपहर में नए कुकर और क्राकरी की व्यवस्था कराई गई। हाउसकीपिंग की जिम्मेदारी रतन एंपोरियम सिक्योरिटी कंपनी के पास है। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें जुलाई 2023 से भुगतान नहीं मिला है। हाल ही में केवल चार लाख रुपए दिए गए हैं। कंपनी के संचालक अमनवीर अरोरा बताए गए हैं। किचन इंचार्ज राकेश प्रताप ने कहा कि बेडशीट पर दाग था, जिससे राज्यपाल नाराज हुए। उन्होंने बताया कि रसोई में बर्तन खराब थे और कुछ छिलके भी पड़े थे। इधर, अपर कलेक्टर रोशन राय का कहना है कि भोजन में कीड़े होने की बात झूठी है। इसमें संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई की गई है। मामला खराब व्यवहार से जुड़ा है।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना क्रियान्वयन करें और शत प्रतिशत उपलब्धि करें सुनिश्चित बनाएं : मुख्य सचिव श्री जैन

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में की शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के विकास कार्यों को प्रमुखता दे। मुख्य सचिव श्री जैन ने मंत्रालय में कलेक्टर- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि केंद्र प्रवर्तित योजनाओं और निर्माण कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करें। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना बनाकर क्रियान्वयन में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया जाना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना में चयनित गांवों को बुनियादी सुविधाओं, गौपालन और डेयरी विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर और "आदर्श ग्राम" के रूप में विकसित करने के लिए 31 मार्च तक विजन डॉक्यूमेंट को पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा में उन्होंने पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्रोतों को विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव श्री जैन ने जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजना की समीक्षा करते हुए रीवा, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, मुरैना और भिंड कलेक्टर्स को कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के नवीन स्वीकृत भवनों के लिए निवाड़ी, पांढुर्ना, नीमच, बैतूल, हरदा, अशोकनगर, ग्वालियर, शिवपुरी और भिंड को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र है जो समाज के भविष्य को प्रभावित करते है। प्रदेश और समाज के विकास के लिए इन दोनों क्षेत्र में काम करना आवश्यक है। शिक्षा विभाग की योजनाओं की जिलों में क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री जैन ने नवीन सत्र में नामांकन बढ़ाने और ड्राप आउट को जीरो करने पर जोर दिया। उन्होंने शाला के बाहर के चिन्हांकित बच्चों में से एजुकेशन पोर्टल 3.0 में दर्ज विद्यार्थियों के प्रोफाइल प्रतिशत बढ़ाने पर जबलपुर संभाग और पन्ना एवं बालाघाट जिले की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य प्रदेश में किया जाना है, इसलिए जनगणना कार्य की अवधि को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक सत्र संचालित करें ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि बच्चों का एलिमेंट्री प्री स्कूल एजुकेशन सबसे महत्वपूर्ण है। यही पढ़ाई उनके आईक्यू में परिलक्षित होती है, इसलिए आगनबाड़ी में 3-6 वर्ष के बच्चों के पंजीयन को बढ़ाये। गाँव में जाकर सैंपलिंग चेकिंग करें पालकों से वन टू वन चर्चा करे। इसके लिए अपने जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास के अधिकारियों के समन्वय से कार्य कराये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने 8 मार्च, महिला दिवस तक सभी शासकीय शालाओं में बालिका शौचालय के निर्माण को पूर्ण करने के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने शासकीय विद्यालयों के भवनों की आवश्यकतानुसार मरम्मत और निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जीर्ण शीर्ण भवनों को डिस्मेंटल कराये और जरूरी होने पर बच्चों को दूसरे भवन में स्थानांतरित भी करें। रोजगार, उद्योग और निवेश से संबंधित केंद्र और राज्य की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री जैन ने योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को देने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और संत रविदास स्वरोजगार योजना आदि की जिलों में क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की और प्रकरणों के प्रभावी निराकरण के लिए निर्देशित किया।

मुख्य सचिव श्री जैन ने 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला के उत्पादों को जीआई टैग दिलवाने के प्रयास करें। उत्पादों की मार्केटिंग, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि कारीगरों के कौशल संवर्धन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आवश्यकतानुसार एक से अधिक उत्पादों को 'एक जिला-एक उत्पाद' में शामिल करने के लिए भी प्रस्ताव भेजे। मुख्य सचिव श्री जैन ने डिस्ट्रिक्ट बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की पहल के अंतर्गत जिलो में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिये। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि इसमें जितना अधिक कार्य किया जाएगा प्रदेश के लिए उतना अच्छा होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण योजना है। सभी कलेक्टर अपने जिलों में इस कार्य को प्राथमिकता दें। मुख्य सचिव श्री जैन ने सुशासन, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, संकल्प से समाधान, सीएम हेल्पलाइन का समय सीमा में निराकरण, कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत कृषकों को योजनाओं का लाभ देने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिये। बैठक में संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव आदि उपस्थित रहें।

बैठक में इंदौर संभागायुक्त कार्यालय से संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस.रगदा, जनजातीय कार्य विभाग के डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेशचन्द्र पांडे, शिक्षा विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती अनीता चौहान और इंदौर कलेक्टर कार्यालय से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से शामिल हुए।

जिला उपभोक्ता आयोग का महत्वपूर्ण आदेश

चिकित्सकीय लापरवाही सिद्ध, पीड़िता को पांच लाख रुपए मुआवजा देने के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-एक, इंदौर द्वारा चिकित्सकीय लापरवाही के एक प्रकरण में महत्वपूर्ण आदेश पारित किया गया है। आयोग ने शिकायतकर्ता श्रीमती शांताबाई पति मांगीलाल के पक्ष में निर्णय देते हुए चिकित्सक डॉ. विजय सोनी को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। इस प्रकरण में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-एक के अध्यक्ष विकास राय, सदस्य कुंदन सिंह चौहान और डॉ. निधि बारंगे द्वारा सुनवाई की गई और सदस्य कुंदन सिंह चौहान द्वारा आदेश पारित किया गया।

शिकायतकर्ता श्रीमती शांताबाई पति मांगीलाल को 17 मार्च 2015 को गाल ब्लैडर में पथरी की समस्या के चलते बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां 18 मार्च 2015 को डॉ. विजय सोनी द्वारा शल्य चिकित्सा की गई। ऑपरेशन के पश्चात शिकायतकर्ता श्रीमती शांताबाई को लगातार पेट दर्द की शिकायत बनी रही। श्रीमती शांताबाई द्वारा सोनोग्राफी एवं एक्स-रे कराया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि शल्य चिकित्सा के दौरान प्रयुक्त धातु का उपकरण श्रीमती शांताबाई के शरीर के अंदर छूट गया था।

आयोग के समक्ष प्रस्तुत मेडिकल अभिलेखों, जांच रिपोर्टों एवं साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट पाया गया कि चिकित्सक डॉ. विजय सोनी द्वारा शल्य चिकित्सा के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे शिकायतकर्ता श्रीमती शांताबाई को पुनः उपचार कराना पड़ा तथा मानसिक एवं शारीरिक कष्ट झेलना पड़ा। आयोग ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत सेवा में गंभीर कमी माना है।

आयोग ने चिकित्सक डॉ. विजय सोनी को निर्देशित किया है कि वे शिकायतकर्ता श्रीमती शांताबाई को कुल 5,00,000 रुपये (पांच लाख रुपये) की क्षतिपूर्ति राशि अदा करें। इसके अतिरिक्त श्रीमती शांताबाई को मानसिक कष्ट के लिये 50 हजार रुपये एवं परिवाद व्यय की राशि 25 हजार रूपये देने के भी निर्देश दिये गये है। चिकित्सक डॉ. विजय सोनी को यह राशि आदेश दिनांक से 45 दिवस के भीतर भुगतान की जानी होगी। निर्धारित अवधि में मुआवजा राशि का भुगतान न किए जाने की स्थिति में नियमानुसार ब्याज भी देय होगा।

राज्य अतिथि व्यवस्थाओं में लापरवाही पर प्रशासन की त्वरित एवं सख्त कार्रवाई

कलेक्टर श्री वर्मा ने 6 अधिकारियों को जारी किये कारण बताओ सूचना पत्र

- खाद्य सामग्री में काकरोच पाए जाने संबंधी प्रचार पूर्णतः असत्य एवं भ्रामक
- सेवा प्रदाता रतन एम्पोरियम की सेवाएं समाप्त
- प्रोटोकॉल, स्वच्छता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश के राज्यपाल का 16 फरवरी 2025 को रेसीडेंसी कोठी, इंदौर में रात्रि विश्राम रहा। इस दौरान रात्रिकालीन ड्यूटी में संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी तहसीलदार श्री चौखा लाल टांक, एम.पी.आर.डी.सी. के प्रबंधक श्री गगन भवर तथा श्रम निरीक्षक सुश्री तृप्ति डावर उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि चर्चा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि राज्यपाल के ओ.एस.डी. द्वारा बेडशीट बदलने का अनुरोध किए जाने के बावजूद संबंधित सेवा प्रदाता रतन एम्पोरियम के कर्मचारी द्वारा यह कार्य नहीं किया गया। सुबह ओ.एस.डी. एवं ए.डी.सी. द्वारा किचन निरीक्षण में डस्टबीन बंद अवस्था में नहीं पाई गई तथा स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पायी गई।

सोशल मीडिया पर खाद्य सामग्री में काकरोच पाए जाने संबंधी प्रचार पूर्णतः असत्य एवं भ्रामक है। राज्यपाल के स्टाफ द्वारा सिर्फ सफाई को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया था। उक्त लापरवाही संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं एडीएम द्वारा प्रबंधक रतन एम्पोरियम, रेसीडेंसी कोठी इंदौर को इस गंभीर कर्तव्यहीनता के लिए तत्काल सेवा समाप्त करने हेतु मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग इंदौर को निर्देश दिए गये। जिस पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रबंधक रतन एम्पोरियम को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया। साथ ही सर्विस उत्तम स्थिति में नहीं होने से संबंधित फर्म की लंबित भुगतान राशि में से 20 से 30 प्रतिशत राशि का कटौत्रा किया जायेगा।

कलेक्टर कार्यालय द्वारा जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों को उक्त लापरवाही को लेकर डिप्टी कलेक्टर सुश्री सीमा कनेश मोर्य, तहसीलदार श्री राजेश सोनी, श्रम निरीक्षक श्री संजय पाटील, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अजय अस्थाना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

समस्त अधिकारियों के लिए प्रोटोकाल ड्यूटी एस.ओ.पी. जारी की गई है, जिसके चलते भविष्य में अतिथिगणों से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों एवं प्रोटोकाल के अनुसार अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। किचन एवं आवासीय परिसरों में स्वच्छता, सामग्री की गुणवत्ता तथा व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए।

शुद्ध होली-सुरक्षित इंदौर अभियान

नकली होने की आशंका में 209 किलोग्राम पनीर जब्त

● विभाग की सघन कार्यवाही- 05 अलग-अलग जगह से खाद्य पदार्थों के लिए गए कुल 22 नमूने

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार होली त्यौहार को दृष्टिगत खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तीन दल गठित किए गए हैं, जिनके द्वारा सतत रूप से प्रभावी कार्रवाईयां की जा रही हैं।

इसी कड़ी में गुरूवार को तेजाजी नगर, खंडवा रोड इंदौर स्थित नव शक्ति डेरी एंड स्वीट्स का औचक निरीक्षण दल द्वारा किया गया। मौके पर श्री विशाल गौड प्रोपराइटर प्रतिष्ठान का संचालन करते हुए मिले। प्रतिष्ठान में पनीर, मावा, घी, मिठाइयाँ आदि का निर्माण एवं विक्रय किया जाना पाया गया। विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी कि संबंधित द्वारा मिलावटी पनीर का निर्माण कर विक्रय किया जा रहा है। मौके से पनीर, घी, मावा, मिल्क केक, पेड़ा, बेसन लड्डू और दूध के कुल 07 नमूने जांच हेतु लिए गए तथा मिलावट की आशंका में 209 किलोग्राम पनीर जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 75 हजार रुपए हैं, को जप्त किया गया ।

एक अन्य कार्रवाई में क्वालिटी स्वीट्स, रानीबाग खंडवा रोड से मिल्क केक, पेड़ा, मलाई बर्फी, रतलामी सेव, खट्टा मीठा मिक्सचर एवं लौंग सेव के कुल 06 नमूने लिए गए। साथ ही रानीबाग खंडवा रोड स्थित अमृत डेरी से दूध एवं घी के कुल 02 नमूने लिए गए।

एक अन्य दल द्वारा पोरवाल मसाला, गली नंबर 10 नंदा नगर, पाटनीपुरा मेन रोड का औचक निरिक्षण किया गया। मौके पर खाद्य अनुज्ञप्ति नहीं पाई गई। मौके से खाद्य सामग्री तुअर दाल, मसूर दाल, चना दाल, उड़द दाल एवं मूंग दाल के कुल 05 नमूने लिये गए।

तीसरे दल द्वारा मिठास 365 रेस्टोरेंट, सुदामा नगर इंदौर का औचक निरीक्षण कर मिल्क केक एवं पनीर के कुल 02 नमूने लिए गए। लिए गए नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जांच हेतु प्रयोगशाला की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

● एआई और संपदा-2 डेटा से तय होंगी नई गाइडलाइन दरें

3000 से ज्यादा लोकेशन पर गाइडलाइन बढ़ेगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर शहर और जिले में संपत्ति खरीदने वालों के लिए अगले वित्त वर्ष से खर्च बढ़ सकता है। शासन और स्थानीय स्तर पर हुए आकलन में तीन हजार से अधिक लोकेशन पर गाइडलाइन दरें बढ़ाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए उप पंजीयन कार्यालयों में प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें पहले जिला और फिर केंद्रीय मूल्यांकन समिति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

उप पंजीयन कार्यालय इस माह प्रस्ताव तैयार कर जिला मूल्यांकन समिति को भेजेगा। यहां से स्वीकृति मिलने के बाद मार्च के मध्य तक प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन समिति को भेजा जाएगा, जिसके आधार पर नई गाइडलाइन दरें तय होंगी। दरअसल, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान हुई संपत्ति रजिस्ट्रियों का विश्लेषण किया गया है। जिन स्थानों पर जमीन या संपत्ति की खरीद-फरोख्त तय गाइडलाइन दर से अधिक कीमत पर हुई है, उन क्षेत्रों में दर बढ़ाने की सिफारिश की जा रही है। वित्तीय वर्ष के बीच में विभाग ने सौ से अधिक नई कॉलोनियों को गाइडलाइन में जोड़ने का प्रस्ताव भेजा था, जिनमें से 91 को मंजूरी मिल चुकी है। इनकी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर रजिस्ट्रियां भी शुरू कर दी गई हैं। आने वाले वित्त वर्ष में करीब 200 नई लोकेशन और शामिल होने की संभावना है। इसके लिए विभाग ने आवेदन मांगे हैं, जिनमें स्वीकृत नक्शा, रेरा पंजीयन और अन्य वैध अनुमतियां जरूरी होंगी। इस बार 10 प्रतिशत से अधिक दस्तावेज पंजीकृत होने वाली लोकेशन को ही बढ़ोतरी में शामिल किया गया है। एआई और संपदा-2 के डेटा के आधार पर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। शासन ने पिछले माह करीब 3200 लोकेशन पर संभावित बढ़ोतरी की जानकारी भेजी थी। विस्तृत जांच में 2400 स्थानों पर 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि सामने आई, जबकि करीब 600 स्थानों पर स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौजूदा वित्त वर्ष में भी कई क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में 20 से लेकर 270 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई थी। सबसे ज्यादा वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि भूमि में देखी गई थी। अधिक कीमत पर रजिस्ट्रियां होने और भूमि अधिग्रहण से जुड़े विरोध को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किए गए थे।

चार विशेष पेट्रोलिंग टीमें बनाईं

ट्रैफिक पुलिस रखेगी मुख्य रास्तों, बाजारों पर नजर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए गुरुवार को चार विशेष पेट्रोलिंग टीम बनाई गई। ये टीमें शहर के व्यस्ततम रास्तों, बाजारों में लगातार निगरानी रखेंगी और तुरंत कार्रवाई भी करेगी। गुरुवार को डीसीपी (प्रभारी ट्रैफिक) राजेश कुमार त्रिपाठी के साथ ही पुलिस के अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में ट्रैफिक पुलिस ने चारों ट्रैफिक जोन के लिए चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया।

राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित होने की स्थिति उत्पन्न होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जोन में एक-एक टीम तैनात की गई है, जो अपने-अपने इलाके में लगातार भ्रमण कर त्वरित कार्रवाई करेगी।

सूबेदार/उप निरीक्षक (टीम प्रभारी)- 1 एएसआई / प्रधान आरक्षक, 4 आरक्षक, 1 महिला आरक्षक, 2 मोटरसाइकिल

पेट्रोलिंग टीम।

चालान कर्ता टीम के पास पीओएस मशीन

चारों टीम अपने-अपने यातायात प्रबंधन जोन में मुख्य रास्तों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आकस्मिक भ्रमण करेगी। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से ऐसे क्षेत्र जहां, अक्सर फुटपाथ पर गाड़ियां खड़े कर दिए जाते हैं, मेन रोड पर अवैध पार्किंग की जाती है। दुकानों के बाहर सड़क पर गाड़ियां लगाकर आवागमन बाधित किया जाता है, वहां टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू करेगी और नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों पर व्हील लॉक/क्रेन के माध्यम से चालानी कार्रवाई की जाएगी। टीम ने पीए सिस्टम के माध्यम से दुकानदारों, रहवासियों और आम जनता से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और अपनी गाड़ियां निर्धारित पार्किंग में खड़ी करें, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रही। कार्रवाई की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए टीम के सभी लोग बॉडी वॉर्न कैमरे का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग हो सके। साथ ही पूरी कार्रवाई के दौरान उत्कृष्ट व्यावसायिक दक्षता, व्यवहार कुशलता और नियमों का पूरा पालन सुनिश्चित किया जाएगा। टीमों द्वारा किए जा रहे कामों की नियमित समीक्षा वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और आवश्यकता अनुसार जरूरी दिशा-निर्देश भी देंगे।

एयरपोर्ट क्षेत्र में पेड़ से लटका मिला युवक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एयरपोर्ट क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रिलायंस पेट्रोल पंप के पास लोगों ने सुबह एक युवक को फंदे पर लटका देखा और तुरंत सूचना दी।

राम शाक्य ने बताया कि मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा गया और जांच की गई। युवक की पहचान अमन पुत्र पंकज निवासी बाबू मुराई कॉलोनी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही उसकी बहन गुड्डी को मौके पर बुलाया गया। उसने बताया कि अमन रात से घर नहीं लौटा था और परिवार के लोग उसकी तलाश कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक अमन कुछ समय से डिप्रेशन में था और छोटा-मोटा काम करता था। घर में उसके माता-पिता रहते हैं और उसकी शादी नहीं हुई थी। पुलिस को मौके से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 नई दिल्ली में होंगे शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 20 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में शामिल होंगे। समिट में वे उच्च-स्तरीय पैनल से चर्चा करेंगे। इसमें राज्य स्तर पर एआई के उपयोग से आर्थिक विकास गति देने, डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने और मजबूत अवसंरचना विकसित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआई कंप्यूटिंग, सायबर सुरक्षा संरचना, क्लाउड इको

सिस्टम, जनरेटिव एआई एकीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ वन टू वन बैठक भी करेंगे। बैठक में एडवांस्ड सेमीकंडक्टर ऐक्सीलरेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और सॉवरेन एआई मॉडलिंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टियर-2 शहरों से उभर रहे स्टार्ट-अप और नव प्रवर्तकों से भी मुलाकात कर उनके एआई आधारित कार्यों की जानकारी लेंगे। समिट में मध्यप्रदेश पेवेलियन हॉल 4, प्रथम तल,बूथ संख्या 4F-32 और 4F-34 में "एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर ऐन एम्पावर्ड भारत" थीम पर लगाया गया है। इसमें 14 एआई स्टार्ट-अप, आईआईटी इंदौर और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन जैसे शैक्षणिक संस्थान और 4 प्रमुख शासकीय विभाग शामिल हैं। मध्यप्रदेश पेवेलियन में धरातल पर लागू किए जा चुके एआई समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यह पेवेलियन दर्शाता है कि पारदर्शिता बढ़ाने, सेवाएं समय पर पहुंचाने और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई का उपयोग शासन व्यवस्था में कैसे किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमपीएसईडीसी के सहयोग से, इस राष्ट्रीय मंच पर राज्य की योजनाबद्ध और लक्ष्य-आधारित एआई पहलों को प्रस्तुत कर रहा है।

सीहोर में बोले देवकीनंदन ठाकुर

'मंदिर का पैसा सड़क बनाने के लिए नहीं है'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सीहोर। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में चल रही शिवमहापुराण कथा के छठवें दिन गुरुवार को प्रख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर और पंडित प्रदीप मिश्रा ने भक्तों को संबोधित किया। देवकीनंदन ठाकुर ने सनातन बोर्ड की मांग करते हुए कहा कि मंदिरों का पैसा सरकारें ले जा रही हैं, जिसका उपयोग सड़क बनाने के बजाय गुरुकुल और अस्पताल बनाने में होना चाहिए। साथ ही उन्होंने वंदे मातरम न बोलने वालों को संवैधानिक दंड देने की मांग की है। वहीं, पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सांसारिक चीजें लोन पर मिल सकती हैं, लेकिन भक्ति और मुक्ति उधार नहीं मिलती।

कुबेरेश्वर धाम पहुंचे देवकीनंदन ठाकुर ने सनातन बोर्ड की मांग पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "हमारे सबकी मांग है, हमारे मंदिरों का पैसा सरकारें ले जा रही है और उस पैसे का क्या हो रहा है। हमें नहीं पता है यह सब भगवान का है। शास्त्र कहते हैं कि भगवान के पैसे पर किसी का अधिकार नहीं है, भगवान का पैसा जनता जनार्दन के काम आ जाए इससे अच्छा क्या है, उससे माडनं गुरुकुल बने गौशाला बने, गरीब भाई बहनों की सहायता, उनकी बहन बेटियों की शादियां हो, अस्पताल बने रोगियों का इलाज हो। मंदिर का पैसा सड़क बनाने के लिए नहीं है।"

रात की आरती के लिए भी लगेंगे रुपए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्मारती की तरह अब संध्या आरती और शयन आरती दर्शन के लिए भी ऑनलाइन बुकिंग होगी। भक्तों को दोनों के लिए 250-250 रुपए प्रति व्यक्ति चुकाने होंगे। मंदिर समिति ने यह व्यवस्था गुरुवार से शुरू कर दी है, जबकि शुल्क नहीं देने वाले भक्तों को चलित दर्शन करने होंगे। संध्या आरती और रात में होने वाली शयन आरती में भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया है। अब श्रद्धालु दोनों आरतियों के लिए केवल मंदिर की अधिकृत वेबसाइट https://www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/ के माध्यम से ही बुकिंग कर सकेंगे।

विधानसभा के बजट सत्र में तीखी नोकझोंक

विजयवर्गीय नेता प्रतिपक्ष से कहा 'औकात' में रहो...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को अदाणी के मुद्दे पर चर्चा के दौरान सदन में तीखी नोकझोंक हो गई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि सरकार बिजली खरीद के नाम पर 25 साल में एक से सवा लाख करोड़ रुपए अदाणी को देने की तैयारी में है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आरोपों के सबूत मांगे। बहस बढ़ने पर विजयवर्गीय ने सिंघार से "औकात में रहने" की टिप्पणी कर दी, जिसके बाद सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया।

करीब 40 मिनट के व्यवधान के बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, "आज दिन कुछ गरम-गरम सा है। सदन की गौरवशाली परंपरा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।" उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा का जिक्र करते हुए कहा कि गुस्सा दिखना चाहिए, लेकिन आना नहीं चाहिए। विवाद के बाद विजयवर्गीय ने कहा कि उनके 37 साल के राजनीतिक अनुभव में ऐसा कम हुआ है। "आज मैं खुद अपने व्यवहार से प्रसन्न नहीं हूं। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अगर मर्यादा नहीं रखेंगे तो बाकी सदस्य कैसे रखेंगे?" उन्होंने कहा, "मैं उमंग को प्यार करता हूं, अपने व्यवहार से दुखी हूं।" हेमंत कटारे ने स्पष्ट खेद की मांग की, जबकि लखन घनघोरिया ने भविष्य में ऐसी स्थिति न बने इसकी व्यवस्था की बात कही। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मंत्री ने दुख व्यक्त कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले का पटाक्षेप करते हुए कहा, "जाने-अनजाने में कोई शब्द निकले हैं तो उसके लिए मैं माफी मांगता हूं।" इस पर उमंग सिंघार ने कहा, "मुख्यमंत्री ने जो भाव दिखाया, उसका सम्मान करता हूं। मैं चार बार का विधायक हूं, संसदीय शब्दावली का ध्यान रखता हूं। अगर मेरी ओर से कुछ हुआ है तो मैं भी खेद व्यक्त करता हूं।" इसके बाद अध्यक्ष ने दोनों पक्षों का आभार जताया और राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा आगे बढ़ाई।

12वीं टॉपर ने माता-पिता, भाई को मार डाला

बैतूल। बैतूल जिले में बेटे ने अपने मां-बाप और भाई को मार डाला। पांच साल के भांजे को भी मारने की कोशिश की। मर्डर के बाद दरवाजा बंद कर लाशों के पास बैठा रहा। फर्श और दीवारों पर खून के कतरे बिखरे मिले हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान पिता राजू उर्फ हंसू धुर्वे (55), मां कमलती धुर्वे (40) और भाई दिलीप धुर्वे (40) के रूप में हुई है। तीनों सांवगा गांव के रहने वाले थे। वहीं 5 वर्षीय भांजे प्रशांत परते गंभीर बताई जा रही है। पड़ोसियों के मुताबिक गुरुवार दोपहर तक दरवाजा घर का दरवाजा नहीं खुला तो अनहोनी का शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन किसी ने नहीं खोला। जब ग्रामीण दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गए, तो आरोपी दीपक धुर्वे घटनास्थल पर ही मौजूद था। इस दौरान वह तीनों शवों के पास चुपचाप बैठा मिला। मौके पर एक बिल्ली का शव भी मिला है। आशंका है कि बिल्ली को भी मार दिया है। वारदात की जानकारी पड़ोसियों ने फौरन कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दीपक का मानसिक संतुलन पिछले 4-5 साल से ठीक नहीं था। वह हाल ही में नागपुर से इलाज कराकर लौटा था।

महिला मित्र के साथ घूम रहे डॉक्टर पति को पत्नी ने रंगे हाथों पकड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा, एजेंसी। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां शहर के एक प्रतिष्ठित डॉक्टर और उनकी पत्नी के बीच सड़क पर जबरदस्त हंगामा हुआ। बुधवार की रात हुए इस घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला रीवा मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से जुड़े एक चर्चित डॉक्टर से संबंधित है। मिली जानकारी के अनुसार, रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पदस्थ और शहर में एक बड़ा निजी नर्सिंग होम संचालित करने वाले एक 'दिल के डॉक्टर' (कार्डियोलॉजिस्ट) अपनी एक महिला मित्र के साथ कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनकी पत्नी, जो स्वयं भी एक चिकित्सक बताई जा रही हैं, ने उन्हें बीच रास्ते में घेर लिया। यह हाईवोल्टेज ड्रामा शहर के समान थाना क्षेत्र के अंतर्गत लैंडमार्क होटल के पास मुख्य सड़क पर हुआ। जैसे ही पत्नी ने अपने डॉक्टर पति को दूसरी महिला के साथ कार में देखा, उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने बीच सड़क पर ही कार रुकवाई और कथित तौर पर डॉक्टर और उनके साथ मौजूद महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। शहर के जाने-माने डॉक्टर के डी सिंह से जुड़ा मामला होने के कारण यह खबर आग की तरह फैल गई। हैरानी की बात यह है कि बीच सड़क पर इतना बड़ा हंगामा होने के बावजूद अब तक इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। समान थाना पुलिस के अनुसार, अभी तक किसी ने भी आधिकारिक तौर पर मारपीट या विवाद की तहरीर नहीं दी है।

संपादकीय

नफरत की बुनियाद पर रिश्तों की बिसात

करीब आठ महीने पहले फ्रांस की राजधानी पेरिस में खलीलुर रहमान ने एक बांग्लादेशी दंगाई को वीडियो इंटरव्यू दिया था। उस वक्त रहमान, बांग्लादेश के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (NSA) थे। उस दौरान उन्होंने शेख हसीना और उनकी राजनीतिक पार्टी अवामी लीग का लंबे समय से समर्थन करने के लिए भारत की कड़ी आलोचना की थी। वो वीडियो इंटरव्यू करीब 30 मिनट का था जिसमें दोनों ने एक दूसरे की जमकर तारीफ की थी। उस दौरान खलीलुर रहमान ने शेख हसीना की सरकार को गिरना 'भारत के विदेशी रिश्तें खासकर भारत के साथ रिश्तों के लिए बहुत बड़ा झटका' बताया था। खलीलुर रहमान किसी अमेरिकी एजेंट से कम नहीं है। उन्हें अमेरिकन खुफिया एजेंसियों ने पाला है और मोहम्मद यूनुस के साथ उन्हें भी बांग्लादेश में बनी अंतरिम सरकार में इंस्टॉल किया गया था। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में वो बांग्लादेश के NSA थे और अब तारिक रहमान ने उन्हें बांग्लादेश का विदेश मंत्री बनाया है। उन्होंने बतौर NSA ये भी कहा था कि 'भारत के साथ कोई स्पेशल रिश्ता नहीं होगा' और उन्होंने शेख हसीना को लेकर नई दिल्ली की नीति को 'नाकाम' बताया था। खलीलुर रहमान ने बतौर NSA ये भी कहा था कि 'बांग्लादेश के बिना भारत के लिए अपनी सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर भारत) की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल होगा।' खलीलुर रहमान ने एक और इंटरव्यू में कहा था कि जहां तक यूनुस शासन के तहत ढाका का सवाल है, नई दिल्ली एक 'होल्डिंग ऑपरेशन' चलाएगी। तो फिर सवाल ये उठता है कि जिस शख्स के मन में भारत को लेकर इतनी नफरत भरी हो, वो शख्स ही अगर बांग्लादेश की विदेश नीति को निर्धारित करेगा तो फिर रिश्ते किस दिशा में जाएंगे? खलीलुर रहमान का काम अब बांग्लादेश में अमेरिका के इशारे पर काम करना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मोहम्मद यूनुस की सरकार के जाने से चंद दिन पहले ही उन्होंने अमेरिका के साथ बांग्लादेश का एक 'नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट' समझौता किया था और अचानक 25 बोइंग एयरक्राफ्ट खरीदने का अजीब फैसला किया था, इसीलिए इसमें कोई शक नहीं कि वो अमेरिका के जियो-पॉलिटिकल हितों को ध्यान में रखते हुए भारत के साथ काम करेंगे।

महिला जगत

जिजाबाई से ताराबाई तक, शिवाजी के स्वराज्य में महिलाओं की निर्णायक भूमिका

जब दुनिया के कई हिस्सों में महिलाओं को सत्ता और नेतृत्व से दूर रखा जाता था, तब छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य में उन्हें सम्मान, जिम्मेदारी और अधिकार दिए। शिवाजी का शासन सिर्फ वीरता और युद्ध कौशल के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से प्रगतिशील सोच के लिए भी जाना जाता है। उनके समय में महिलाओं ने किलों की कमान संभाली, प्रशासनिक निर्णय लिए और राज्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह समझना जरूरी है कि स्वराज्य की सफलता के पीछे महिला नेतृत्व की मजबूत भागीदारी भी थी। स्वराज्य की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब महिलाओं को अवसर और सम्मान मिलता है तो वे शासन, युद्ध और प्रशासन हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। इतिहास में कई उदाहरण मिलते हैं, जहां महिलाओं ने किलों की व्यवस्था, अनाज भंडार और आवश्यक संसाधनों का प्रबंधन संभाला। घेराबंदी के समय राशन और आपूर्ति का संतुलन बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी थी।

राजमाता जिजाबाई एक मार्गदर्शक

राजमाता जिजाबाई मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की माता थीं। उन्होंने केवल एक वीर राजा का निर्माण नहीं किया, बल्कि स्वराज्य की विचारधारा को आकार दिया। उन्होंने शिवाजी को न्याय, धर्मनिष्ठा और प्रजा-हित की शिक्षा दी। प्रशासनिक मामलों में उनका मार्गदर्शन महत्वपूर्ण था। जिजाबाई ने ऐसी नींव रखी, जिसमें महिलाओं की भागीदारी को स्वाभाविक माना गया।

येसुबाई भोंसले एक रक्षक

येसुबाई भोंसले छत्रपति शिवाजी महाराज की बहू और छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी थीं। वह मराठा साम्राज्य की अत्यंत साहसी व कूटनीतिज्ञ महारानी थीं। संभाजी महाराज की अनुपस्थिति में येसुबाई ने राजकाज संभाला और राजवंश की सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में दरबार का संचालन किया और मराठा साम्राज्य को टूटने नहीं दिया। यह दर्शाता है कि मराठा शासन में महिलाओं को निर्णायक भूमिका दी जाती थी।

सोयराबाई, सत्ता के पीछे की रणनीतिक शक्ति

सोयराबाई मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रमुख पत्नियों में से एक और छत्रपति राजाराम की माता थीं। उन्होंने उत्तराधिकार के संवेदनशील दौर में शाही मुहर और सत्ता की रक्षा की। उन्होंने मराठा राजनीति में महिलाओं की रणनीतिक उपस्थिति को साबित किया। यह उस युग में असाधारण उदाहरण था, जब महिलाओं को आमतौर पर राजनीतिक फैसलों से दूर रखा जाता था।

ताराबाई, सेनापति और योद्धा

महारानी ताराबाई शिवाजी महाराज की पुत्रवधू और उनके छोटे बेटे राजाराम की पत्नी थीं। वे एक महान योद्धा रानी थीं। ताराबाई ने न केवल प्रशासन संभाला बल्कि मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व भी किया। उन्होंने सेना का संचालन किया, शाही आदेश जारी किए और मराठा प्रतिरोध को मजबूत बनाए रखा। उनके नेतृत्व ने साबित किया कि महिलाएं शासन और युद्ध दोनों में सक्षम हैं।

कौन हैं 3 बार की कैरम वर्ल्ड कप विजेता कीर्तना?

जानिए संघर्ष से सफलता की पूरी कहानी

भारत में खेल प्रतिभा की कमी कभी नहीं रही, कमी रही है तो बस पहचान की। कैरम जैसे खेल को अक्सर घर-घर खेले जाने वाला खेल कहकर हल्के में लिया गया, लेकिन भारत की बेटी कीर्तना ने इस सोच को अंतरराष्ट्रीय मंच पर तोड़ दिया। तीन बार कैरम वर्ल्ड कप जीतना सिर्फ ट्रॉफी पाने की कहानी नहीं है, यह अनुशासन, त्याग और वर्षों की अनदेखी मेहनत का परिणाम है। आज कीर्तना सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि उन लड़कियों की आवाज हैं जो घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर खेल में करियर बनाना चाहती हैं। उनकी कहानी बताती है, अगर इरादा साफ हो, तो छोटा खेल भी बड़ी पहचान दिला सकता है।

● साधारण शुरुआत, असाधारण सपना

नॉर्थ चेन्नई की एक तंग गली से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े कैरम मंच तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं, लेकिन कीर्तना की कहानी बताती है कि महानता अक्सर वहीं जन्म लेती है, जहां उम्मीदें सबसे कमजोर होती हैं। तमिलनाडु की कीर्तना का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ। जब कीर्तना छह साल की थीं, तो उन्होंने पहली बार कैरम बोर्ड को छुआ। तब उन्हें अंदाजा नहीं था कि यही खेल एक दिन उनकी पहचान, उनका सहारा और उनका भविष्य बन जाएगा।

जिंदगी ने बहुत जल्दी उनकी परीक्षा ली, जब महज 12 साल की उम्र में पिता का साया उठ गया। परिवार पर आर्थिक संकट टूट पड़ा। किशोरावस्था आते-आते हालात ऐसे हो गए कि कीर्तना को पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार चलाने के लिए उन्हें लेथ वर्कशॉप में काम करना शुरू कर दिया। यहां उनके हाथों में मशीन की गर्मी और कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ लेकिन फिर भी दिल में कैरम का जुनून जिंदा रहा।

जहां खेल को करियर मानना आज भी जोखिम भरा फैसला माना जाता है, वहां कैरम जैसे इंडोर गेम को चुनना और भी बड़ी चुनौती थी। दिनभर की थकान के बाद भी वह छोटे-छोटे टूर्नामेंट खेलती रहीं। इन मुकाबलों से उन्हें सिर्फ कुछ पैसे ही नहीं, बल्कि अपने सपने पर विश्वास मिलता गया। यही विश्वास उन्हें आगे बढ़ाता रहा।

● कीर्तना के सपनों को मिले पंख

फिर आया वह पल, जिसने इतिहास बदल दिया। मालदीव में आयोजित 7वें कैरम वर्ल्ड कप में कीर्तना ने दुनिया को चौंका दिया। उन्होंने, महिला सिंगल्स में स्वर्ण, डबल्स में स्वर्ण, टीम इवेंट में स्वर्ण और अंततः वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। हर जीत के साथ उन्होंने यह साबित किया कि कैरम सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उच्च स्तर का प्रतिस्पर्धी खेल है।

आज कीर्तना के हाथों में सिर्फ ट्रॉफियां नहीं हैं, उनके हाथों में उन लाखों बच्चों की उम्मीद है, जो गरीबी, हालात और सीमाओं के बावजूद बड़े सपने देखने की हिम्मत रखते हैं।

New Delhi

कर्नाटक में मस्जिद के बाहर शिवाजी जयंती जुलूस पर पत्थरबाजी, SP भी घायल, भीड़ ने ठेलों में लगाई आग

बागलकोट, (एजेंसी) कर्नाटक में बागलकोट किले के पास शिवाजी जयंती पर जुलूस के दौरान दो समुदाय के बीच हिंसक झड़प की खबरें सामने आ रही है। इसके बाद तनाव इस कदर बढ़ गया कि हिंदू कार्यकर्ताओं ने मस्जिद के बाहर लगे ठेलों में आग लगा दी। पुलिस ने बल का प्रयोग कर हालात को काबू में किया। इस घटना के बाद पूरे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। आपको बता दें कि गुरुवार की शाम शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर मराठा समुदाय के द्वारा एक जुलूस का आयोजन किया गया था। इसकी शुरुआत शहर के ही अंबाभवानी मंदिर से हुई। पंका मस्जिद के पास कुछ

बदमाशों ने पत्थर फेंके, जिसमें SP सिद्धार्थ गोयल समेत कुछ लोग घायल हो गए।

मुस्लिम पक्षों का आरोप है कि जैसे ही जुलूस किले के पास स्थित एक मस्जिद के पास पहुंचा तो डीजे की आवाज को तेज कर दिया गया। मस्जिद के बाहर रुक-रुक कर नारेबाजी होने लगी। इसके बाद मस्जिद के पास मौजूद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इसका विरोध किया। पुलिस ने बीच बचाव की कोशिश की, लेकिन तभी मस्जिद की तरफ से जुलूस पर चप्पल फेंके गए। इससे माहौल बिगड़ गया। इसी दौरान कुछ शरारती तत्वों ने मस्जिद की तरफ से जुलूस पर पत्थर भी बरसाए। इसके बाद वहां की स्थिति काफी बिगड़ गई। कुछ हिंदू कार्यकर्ताओं को चोट भी लगी।

Uttarpradesh

खेल-खेल में हुआ हादसा या लापरवाही?

हरदोई में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, C-4 कोच का शीशा टूटा

ट्रेन में सवार थे RSS प्रमुख मोहन भागवत

हरदोई, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के हरदोई और कौढा के बीच गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे वाराणसी-मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस (22489) पर पत्थर लगने से हड़कंप मच गया. ट्रेन के C-4 कोच में सीट नंबर 60-61 के पास पत्थर टकराने से खिड़की का शीशा टूट गया. इस प्रतिष्ठित ट्रेन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी मेरठ जाने के लिए सवार थे, हालांकि वह उस बोगी में मौजूद नहीं थे जिस पर पत्थर लगा. रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच की. शुरुआती जांच में पास की बस्ती के बच्चों द्वारा खेल-खेल में पत्थर फेंकने की बात सामने आई है. पुलिस ने रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

सीओ सिटी अंकित मिश्रा के मुताबिक, कोतवाली देहात क्षेत्र के बलोखर फाटक के पास कंजर बस्ती के कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे. इन बच्चों की उम्र 8 से 13 वर्ष के बीच है. खेल के दौरान अचानक एक पत्थर उछला और तेज रफ्तार से गुजर रही वंदे भारत एक्सप्रेस से जा टकराया. पुलिस का मानना है कि यह घटना जानबूझकर की गई शरारत के बजाय खेल के दौरान हुई लापरवाही का नतीजा है. पत्थर टकराते ही कोच के भीतर बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई थी.

New Delhi

पीएम बोले-डीपफेक रोकने के लिए AI कंटेंट पर लेबल लगे

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने AI के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके। वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है। समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के CEO सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

New Delhi

2027 में मिलेगा एयरबस का पहला 'स्वदेशी' हेलिकॉप्टर, सिविल-डिफेंस एविएशन में आएगी क्रांति!

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत में नए प्रोडक्शन लाइन मिलने के बाद एविएशन क्षेत्र की ग्लोबल कंपनी एयरबस की उम्मीदें आसमान छूने लगी हैं। कंपनी को उम्मीद है कि भारत में रीजनल कनेक्टिविटी में ही उसके 1,000 से ज्यादा हेलिकॉप्टर खप जाएंगे। इनके अलावा सशस्त्र सेनाओं की जरूरतें पूरी करने के लिए जो डिमांड मिलेगी, वह अलग। हमारे सहयोगी अंग्रेजी अखबार ET को दिए एक इंटरव्यू में एयरबस हेलिकॉप्टर्स के सीईओ बुनो इवेन ने कहा है कि नई असेंबली लाइन से पहला हेलिकॉप्टर 2027 की शुरुआत में बनकर निकलने की उम्मीद है। एयरबस भारतीय कंपनी टाटा के साथ मिलकर इस हेलिकॉप्टर का भारत में ही निर्माण कर रही है। एयरबस सीईओ ने कहा कि 'विचार, लक्ष्य और इरादा क्षेत्र के सिविल और मिलिट्री मार्केट को ध्यान में रखकर तय किया गया है। अगर सैन्य

उपभोक्ता अपने मिशन के लिए एच125 को चुनने में दिलचस्पी रखते हैं और उसे खरीदना चाहते हैं, तो इसकी कोई वजह नहीं है कि हम इस क्षेत्र में अपने उपभोक्ताओं के लिए, भारत में यह मिलिट्री हेलीकॉप्टर न बना पाएं।' एयरबस सीईओ ने यह बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के द्वारा बेंगलुरु में एक नए एयरबस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड प्रोडक्शन फैसिलिटी के मुंबई से वर्चुअली उद्घाटन के बाद कही है।

खेल

अजेय रहते हुए सुपर-8 में पहुंचा जिम्बाब्वे, श्रीलंका को उसके घर में छह विकेट से दी करारी शिकस्त

कोलंबो, (एजेंसी) ब्रायन बेनेट की तूफानी अर्धशतकीय पारी की मदद से जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ सिकंदर रजा की अगुवाई वाली टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप स्टेज का अजेय रहते हुए समापन किया और सुपर-8 में शानदार एंट्री की। गुरुवार को कोलंबो में खेले गए 38वें मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे ने तीन गेंदों के शेष रहते 182 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ जिम्बाब्वे की टीम ने ग्रुप बी की टेबल टॉपर भी बन गई। लीग चरण में खेले चार मुकाबलों में उसने तीन मैचों में शानदार जीत दर्ज की। वहीं, एक मैच बेनतीजा रहा। टीम सात अंक और + 1.506 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष

पर पहुंच गई। इस हार के साथ मेजबान श्रीलंका दूसरे स्थान पर खिसक गई। उसके खाते में छह अंक और +1.741 का नेट रन रेट है। ग्रुप बी से सुपर-8 के लिए जिम्बाब्वे और श्रीलंका की टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। वहीं, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ओमान का सफर ग्रुप स्टेज में ही समाप्त हो गया है। इस ग्रुप का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच खेला जाना है।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को हराकर टी20 विश्व कप 2026 में एक बार फिर बड़ा उलटफेर कर दिया। इससे पहले टीम ने ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 में भारत, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के साथ ग्रुप-1 में है, जबकि श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप-2 में है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम को कुसल परेरा और पथुम निसांका की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पांच ओवरों में 54 रन की साझेदारी की।

- कुसल 14 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद निसांका ने कुसल मेंडिस के साथ 43 गेंदों में 46 रन जुटाते हुए श्रीलंका को 100 के स्कोर तक पहुंचाया।
- मेंडिस ने टीम के खाते में 14 रन का योगदान दिया, जबकि निसांका ने 41 गेंदों में 8 चौकों के साथ 62 रन टीम के खाते में जोड़े।
- इनके अलावा, पवन रत्नायके ने 25 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 44 रन की पारी खेली।
- विपक्षी खेमे से ब्लेसिंग मुजारबानी, ब्रैड इवांस और ग्रीम क्रेमर ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि एक विकेट रयान बर्ल के हाथ लगा।

सिनेमा

Toxic Teaser: यश का 'एनिमल' अवतार पर्दाफाड़ एंटरटेनमेंट के लिए रेडी, कहानी में है डबल रोल!

अब 'टॉक्सिक' का टीजर आ गया है जो यश के अवतार को एक नए एंगल में पेश कर रहा है. फर्स्ट लुक में जहां यश का किरदार महाठरकी अंदाज में नजर आ रहा था. वहीं टीजर में वो एक अलग अंदाज में नजर आ रहा है. टीजर ये भी बता रहा है कि यश का फिल्म में डबल रोल हो सकता है. 'टॉक्सिक' का टीजर आधे हिस्से में एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा लगता है, जिसमें यश का किरदार 80s वाले स्टाइल में नजर आ रहा है. जबकि टीजर के सेकंड हाफ में वो मॉडर्न स्टाइल में नजर आ रहे हैं. कहानी किसी माफिया एम्पायर की नजर आ रही है, जिसे यश का ओल्ड अवतार खो देगा और यंग अवतार फिर से उसपर राज करने की कोशिश करेगा. टीजर की हिंसा, 'एनिमल' के बाद वाले दौर की ग्राफिक वायलेंस के लेवल को मैच करने के लिए बहुत उतावली नजर आ रही है. खून-खच्चर जमकर भरा पड़ा है. लेकिन दिलचस्प ये है कि आधा दर्जन से ज्यादा एक्ट्रेसेज फिल्म में होने के बावजूद, टीजर में एक भी एक्ट्रेसज का सीन नहीं है. कुछ लोगों को ये निराशाजनक भी लग सकता है, मगरये दिलचस्प इसलिए है क्योंकि डायरेक्टर गीतू मोहनदास कहानी छुपाती नजर आ रही हैं. यानी सामने जितना दिख रहा है, पर्दे के पीछे उससे ज्यादा है.

Highlights

1. India's image dented: SC to pharma firm as its cough syrup kills 68 kids in Uzbekistan
2. MP Ricky Syngkon dies after collapsing while playing futsal in Meghalaya
3. ChatGPT edits Altman's awkward moment with Anthropic CEO while posing with PM Modi
4. Meghalaya's Budget session may be adjourned due to MP's death: CM

Mukesh Ambani promises ₹10 lakh crore to deliver a Jio moment for AI

NEW DELHI, (Agency). Billionaire Mukesh Ambani has promised to deliver a Jio moment for AI in India, with an investment of up to ₹10 lakh crore over the next seven years to build the AI ecosystem in the world's most populous country.

Jio Platforms with Reliance Industries will invest ₹10 lakh crore over the next seven years starting this year, the chairman of India's biggest company said at the India AI Impact Summit 2026 in New Delhi on Thursday. "This isn't speculative investment. It is not for chasing valuation. This is patient, disciplined nation-building capital."

The biggest constraint in AI is not scarcity of talent but high cost of compute, said Ambani. "Jio Intelligence will build India's sovereign compute infrastructure." This includes gigawatt-scale data centres. Reliance Jio connected India to the internet era, and it will now connect it with the AI era, Ambani said. "We will deliver intelligence to every citizen, every sector of the economy and every facet of the social development. Jio will do so with the same reliability, scale and extreme affordability that transformed connectivity."

The best of AI is yet to come and that AI can usher in an era of super abundance. The world, he said, stands at a fork over AI—one path leading to scarce, expensive artificial intelligence-controlled data, while the other ensures affordable and accessible AI.

Exclusive | India must lead agentic payment regulation: Razorpay's Rahul Kothari

NEW DELHI, (Agency). Imagine asking an artificial intelligence (AI) assistant what looks an otherwise simple enough question, "what to order for dinner", and seamlessly proceed to the "order is on the way" stage, within the same conversation. That's the world of agentic AI payments that Razorpay, India's largest payment aggregator, envisions. The fintech, at the India AI Impact Summit 2026, has announced agentic payments on Anthropic's Claude. It is, as Rahul Kothari, who is chief operating officer at Razorpay tells HT, "commerce being re-architected".

This is the coming together of Razorpay's Agentic Payments feature, India's UPI infrastructure led by the National Payments Corporation of India (NPCI), and Claude's conversational intelligence, in a medley hoping to turn everyday AI conversations into real, completed purchases. Alongside, Razorpay is also partnering with global agentic software creation platform Replit to help AI developers integrate monetisation options in apps they build.

एमवाय हॉस्पिटल में एचआईवी यूनिट तक पहुंचीं बिल्लियां

इंदौर। महाराजा यशवंतराव अस्पताल में एचआईवी संक्रमित मरीजों की यूनिट और दवा कक्ष में बिल्लियों के घूमने का मामला सामने आया है। अस्पताल के ओपीडी में एक बिल्ली ने बच्चों को जन्म दिया। एआरटी (एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी) केंद्र तक उसकी पहुंच देखी गई। यह लापरवाही तब सामने आई जब 6 महीने पहले ही चूहों के कुतरने से 2 नवजातों की मौत हुई है।

अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में एक बिल्ली ने तीन बच्चों को जन्म दिया। इसके बाद ओपीडी और आसपास के हिस्सों में बिल्लियों की आवाजाही लगातार देखी गई। अस्पताल प्रबंधन ने तीन में से दो बच्चों को रेस्क्यू कर लिया है और तीसरे को पकड़ने की कोशिश जारी है। एचआईवी संक्रमित मरीजों के दवा कक्ष में बिल्लियों के घूमने और गंदगी फैलाने की शिकायत मिली है। इसी कक्ष से मरीजों को हर महीने मुफ्त दवाएं दी जाती हैं। यहां नवजात बच्चों को दी जाने वाली सेप्ट्रोन दवाएं भी रखी जाती हैं। अस्पताल के एआरटी एकीकृत परामर्श केंद्र के कुछ कर्मचारी बिल्लियों

की देखभाल करते नजर आए। इससे दवा कक्ष की सुरक्षा और संक्रमण नियंत्रण को लेकर सवाल उठे हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज और एमवाय अस्पताल के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने मामले को गंभीर माना है।उन्होंने कहा,मामला हमारे संज्ञान में आया है। हमने हाउसकीपिंग कंपनी को परिसर खाली कराने और बिल्लियों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाने के निर्देश दिए हैं। ओपीडी दोपहर 2 बजे के बाद बंद हो जाती है, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने पुष्टि की कि तीन में से दो बच्चों को रेस्क्यू कर लिया गया है और तीसरे को पकड़ने की कार्रवाई जारी है। साथ ही पेस्ट एंड एनिमल कंट्रोल एजेंसी की जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। अस्पताल में सफाई और एनिमल कंट्रोल का काम संभाल रही बीवीजी कंपनी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी की जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई की जा रही है। करीब 6 महीने पहले अस्पताल के नवजात वार्ड में चूहों ने दो बच्चों को कुतर दिया था। इस घटना में दोनों नवजातों की मौत हो गई थी। घटना के बाद भी अस्पताल में जानवरों की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

युवती का हाथ पकड़कर बोला-दूर होने की कोशिश की तो हत्या कर दूंगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर थाना पुलिस ने छेड़छाड़ के मामले में 22 वर्षीय युवती की शिकायत पर बबलेश दिवाकर निवासी खातीपुरा गौरीनगर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने युवती का हाथ पकड़कर धमकी दी कि दूर होने की कोशिश की तो हत्या कर देगा। इसके बाद परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी से उसकी तीन साल से दोस्ती थी, लेकिन उसकी आदतों के कारण उसने कुछ समय पहले बात करना बंद कर दिया था। इसके बाद आरोपी उसका पीछा करने लगा और ऑफिस आते-जाते बातचीत का दबाव बनाता रहा। 17 फरवरी को आरोपी बाइक से रास्ते में कट मारकर चला गया और कई दिनों से घर के पास खड़ा रहने लगा। बुधवार को अंश किराना दुकान के पास खड़े आरोपी से भाई ने खड़े होने का कारण पूछा तो उसने विवाद कर मारपीट की। पिता बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी हाथापाई की।

क्राइम ब्रांच ने पकड़ा फरार आरोपी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अवैध मादक पदार्थों की खरीदी-बिक्री करने वालों के खिलाफ इंदौर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में टीम ने बुधवार को एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि 12 फरवरी को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार आरोपी कासिम खान से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर पहले साउथ टोड़ा निवासी रिजवान अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। रिजवान से पूछताछ में एक और फरार आरोपी हसन अली निवासी दौलतगंज का नाम सामने आया। इसके बाद टीम ने मुखबिर और टेक्निकल इनपुट के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में पहले पकड़े गए आरोपी से 14 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपए बताई गई है। प्रारंभिक पूछताछ में हसन अली ने बताया कि वह रिपेयरिंग का काम करता है और पांचवीं तक पढ़ा है। क्राइम ब्रांच को उम्मीद है कि पूछताछ में ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की जानकारी भी सामने आ सकती है। मामले में आगे की जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक